ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-५
दिनांक-मंगलवार,१५ जनवरी,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २३.५ एवं ७.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति १.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १०.६ एवं दोपहर में २०.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा, सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१६ से २० जनवरी, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १६ से २० जनवरी, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ५ से ७ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में कुहासा रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ३ से ५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से १८ से १६ जनवरी में पछिया हवा तथा अन्य दिनों में पूरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मटर में फली छेदक कीट की निगराणी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियॉ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। १५-२० टी आकार का पंछी वैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास २५ ई० सी० या नोवाल्युरॉन १० ई० सी० का १ मि० ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- आलू की फसल में कटवर्म या कजरा पिल्लू की निगराणी करें। यह कीट आलू की लत्तर को काटती एवं खाती है। इस कीट का प्रकोप फसल में दिखनें पर बचाव के लिए क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २.५ से ३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से से घोल बनाकर छिड़काव करें। आलू की फसल को १०-१५ दिनों के अन्तराल पर सिचांई करें।
- अरहर की फसल में फल मक्खी कीट की निगराणी करे। इस कीट के मैगट सर्वप्रथम अरहर के पौधे के तने में छेद करके उसे खाते है। जिससें पौधे के तने एवं शाखाये सुखने लगती है। बाद में दाना आने पर बीजों को खाते है। जिस स्थानों पर मैगट खातें है, वहॉ कवक एवं जीवाणु उत्पन हो जाते है। फलस्वरूप ऐसे दाने खाने योग्य नही रह जाते है और उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- पिछात गेहूँ में दीमक कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस २० ई०सी० दवा का २ लीटर प्रति एकड़ की दर से २०-३० किलो बालू में मिलाकर शाम के समय खेत में छिड़काव कर सिंचाई करें। बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की २१ से २५ दिनों की फसल में सिंचाई कर ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- समय से बोयी गई गेहूँ की ४० से ५० दिनों की फसल जो कल्ले निकलने की अवस्था में है, उसमें दूसरी सिंचाई करें। अगात बोई गई गेहूँ की फसल जो ६० से ६५ दिनों की हो गई है, उसमें तीसरी सिंचाई करें।
- मक्का की फसल जो ५० से ६० दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर ५० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों की फसल में कीट एवं रोग-व्याधि से बचाव हेतु नियमित रुप से फसल की देख-रेख करें।
- प्याज की रोपाई अविलंब समाप्त करें। लहसुन की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। कीट-व्याधि की निगरानी करें।
- पशुपालक भाई दूधारु पशुओं का इस मौसम में विशेष ध्यान रखें। चारे की फसलें जैसे-जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई २५-३० दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद सिंचाई करें। सिंचाई के बाद खेतों में १० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।

आज का अधिकतम तापमानः २३.२ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.८ डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः ८.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.६ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी